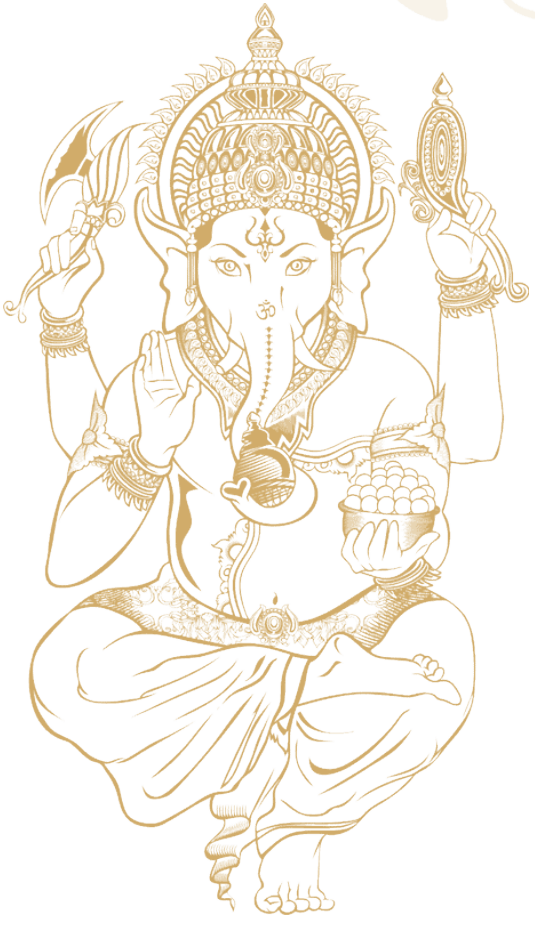

# Yash

04 Mar 2002

07:10 PM

Dhanbad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121939102

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **04/03/2002** |
| दिन | सोमवार |
| **जन्म समय** | **19:10:00 घंटे** |
| इष्ट | 32:45:17 घटी |
| **स्थान** | **Dhanbad** |
| राज्य | Bihar |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 23:47:00 उत्तर |
| रेखांश | 86:32:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:16:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 19:26:08 घंटे |
| वेलान्तर | -00:11:49 घंटे |
| साम्पातिक काल | 06:14:43 घंटे |
| सूर्योदय | 06:03:53 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:47:46 घंटे |
| दिनमान | 11:43:54 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 19:54:55 कुम्भ |
| लग्न के अंश | 09:28:52 कन्या |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | कन्या - बुध |
| **राशि-स्वामी** | **वृश्चिक - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **विशाखा - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | गुरु |
| योग | व्याघात |
| करण | वणिज |
| गण | राक्षस |
| योनि | व्याघ्र |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | कीटक |
| वर्ग | सर्प |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | तो-तोरल |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मीन |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कन्या | 09:28:52 | 330:13:08 | उ०फाल्गुनी | 4 | 12 | बुध | सूर्य | शुक्र | --- |
| सूर्य | | | कुंभ | 19:54:55 | 01:00:07 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | मंगल | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | वृश्चि | 01:25:06 | 13:45:32 | विशाखा | 4 | 16 | मंगल | गुरु | राहु | नीच राशि |
| मंगल | | | मेष | 08:11:58 | 00:42:26 | अश्विनी | 3 | 1 | मंगल | केतु | गुरु | मूलत्रिकोण |
| बुध | | | मक | 25:26:48 | 01:21:21 | धनिष्ठा | 1 | 23 | शनि | मंगल | राहु | सम राशि |
| गुरु | | | मिथु | 11:45:18 | 00:00:35 | आर्द्रा | 2 | 6 | बुध | राहु | शनि | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | मीन | 01:45:23 | 01:14:46 | पू०भाद्रपद | 4 | 25 | गुरु | गुरु | राहु | उच्च राशि |
| शनि | | | वृष | 14:42:32 | 00:02:42 | रोहिणी | 2 | 4 | शुक्र | चंद्र | गुरु | मित्र राशि |
| राहु | व | | वृष | 29:29:35 | 00:01:46 | मृगशिरा | 2 | 5 | शुक्र | मंगल | शनि | मित्र राशि |
| केतु | व | | वृश्चि | 29:29:35 | 00:01:46 | ज्येष्ठा | 4 | 18 | मंगल | बुध | शनि | मित्र राशि |
| हर्ष | | | कुंभ | 02:00:51 | 00:03:21 | धनिष्ठा | 3 | 23 | शनि | मंगल | केतु | --- |
| नेप | | | मक | 15:50:47 | 00:01:58 | श्रवण | 2 | 22 | शनि | चंद्र | शनि | --- |
| प्लूटो | | | वृश्चि | 23:40:23 | 00:00:33 | ज्येष्ठा | 3 | 18 | मंगल | बुध | मंगल | --- |
| दशम भाव | | | मिथु | 09:29:28 | -- | आर्द्रा | -- | 6 | बुध | राहु | गुरु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:58

## लग्न-चलित

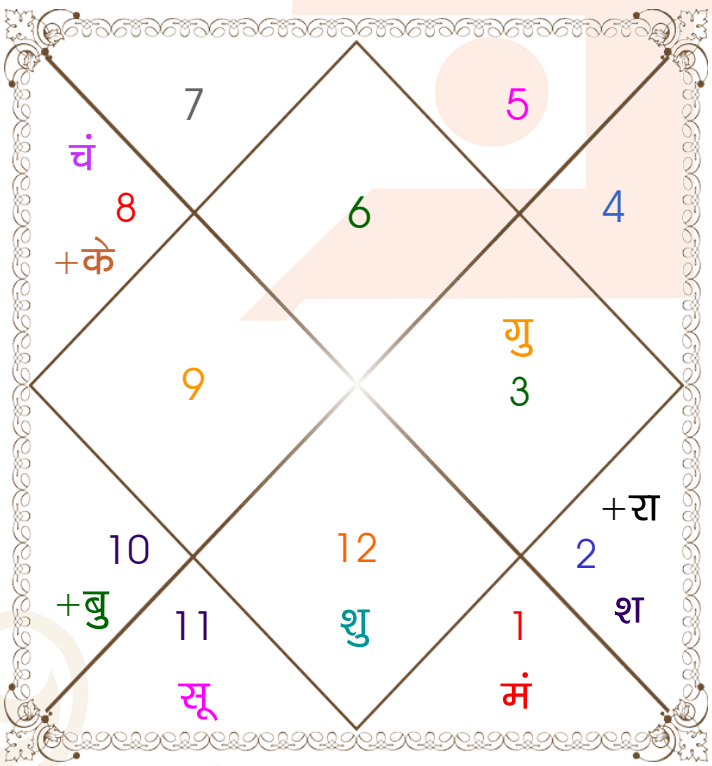


## चन्द्र कुंडली

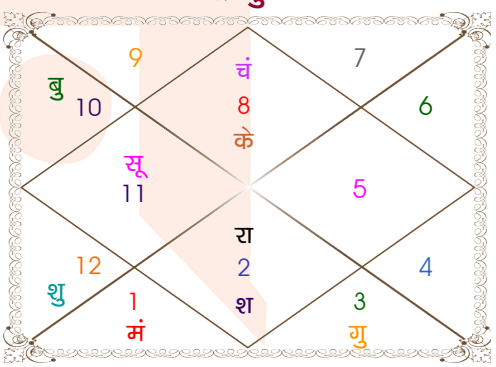


## नवमांश कुंडली

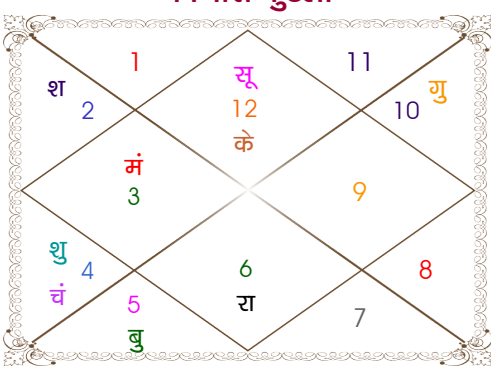

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 3 मास 17 दिन

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 04/03/2002 | | 21/06/2004 | | 21/06/2023 | | 21/06/2040 | | 21/06/2047 | |
| 21/06/2004 | | 21/06/2023 | | 21/06/2040 | | 21/06/2047 | | 21/06/2067 | |
| | 00/00/0000 | शनि | 24/06/2007 | बुध | 17/11/2025 | केतु | 17/11/2040 | शुक्र | 21/10/2050 |
| | 00/00/0000 | बुध | 04/03/2010 | केतु | 14/11/2026 | शुक्र | 17/01/2042 | सूर्य | 21/10/2051 |
| | 00/00/0000 | केतु | 12/04/2011 | शुक्र | 14/09/2029 | सूर्य | 25/05/2042 | चंद्र | 21/06/2053 |
| | 00/00/0000 | शुक्र | 12/06/2014 | सूर्य | 22/07/2030 | चंद्र | 24/12/2042 | मंगल | 21/08/2054 |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 25/05/2015 | चंद्र | 21/12/2031 | मंगल | 22/05/2043 | राहु | 21/08/2057 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 23/12/2016 | मंगल | 17/12/2032 | राहु | 08/06/2044 | गुरु | 21/04/2060 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 01/02/2018 | राहु | 07/07/2035 | गुरु | 15/05/2045 | शनि | 21/06/2063 |
| | 04/03/2002 | राहु | 08/12/2020 | गुरु | 12/10/2037 | शनि | 24/06/2046 | बुध | 21/04/2066 |
| राहु | 21/06/2004 | गुरु | 21/06/2023 | शनि | 21/06/2040 | बुध | 21/06/2047 | केतु | 21/06/2067 |

| सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 21/06/2067 | | 21/06/2073 | | 21/06/2083 | | 21/06/2090 | | 22/06/2108 | |
| 21/06/2073 | | 21/06/2083 | | 21/06/2090 | | 22/06/2108 | | 05/03/2122 | |
| सूर्य | 09/10/2067 | चंद्र | 21/04/2074 | मंगल | 18/11/2083 | राहु | 03/03/2093 | गुरु | 10/08/2110 |
| चंद्र | 09/04/2068 | मंगल | 20/11/2074 | राहु | 05/12/2084 | गुरु | 28/07/2095 | शनि | 20/02/2113 |
| मंगल | 14/08/2068 | राहु | 21/05/2076 | गुरु | 11/11/2085 | शनि | 03/06/2098 | बुध | 29/05/2115 |
| राहु | 09/07/2069 | गुरु | 20/09/2077 | शनि | 21/12/2086 | बुध | 21/12/2100 | केतु | 04/05/2116 |
| गुरु | 27/04/2070 | शनि | 22/04/2079 | बुध | 18/12/2087 | केतु | 09/01/2102 | शुक्र | 03/01/2119 |
| शनि | 09/04/2071 | बुध | 20/09/2080 | केतु | 15/05/2088 | शुक्र | 09/01/2105 | सूर्य | 22/10/2119 |
| बुध | 14/02/2072 | केतु | 21/04/2081 | शुक्र | 15/07/2089 | सूर्य | 03/12/2105 | चंद्र | 20/02/2121 |
| केतु | 21/06/2072 | शुक्र | 21/12/2082 | सूर्य | 20/11/2089 | चंद्र | 04/06/2107 | मंगल | 27/01/2122 |
| शुक्र | 21/06/2073 | सूर्य | 21/06/2083 | चंद्र | 21/06/2090 | मंगल | 22/06/2108 | राहु | 05/03/2122 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 3 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगे। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपने मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकते हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगे। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपने स्पन्दित आदतों को त्याग सकते हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेते है और कार्य के पीछे पड़ जाते है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्य ा है।

आप बुद्धिमान स्तर के प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करते हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करते हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकते हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकते हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके के द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप की प्यारी पत्नी भगवान की देन प्रमाणित होगी। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आप अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगे।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।